छुः मन्तर गैस

श्री वशिष्ठ सदा जी, उम्र– 40 वर्ष, पिता– श्री झामलाल सदा, पुत्र– 2, एवं पुत्री– 3 पेशे से ट्रेक्टर ड्राईवर। 1500 रू0 महीने पर भाड़े की गाड़ी, ट्रैक्टर चलाते हैं। माल ढ़ोकर खगड़िया या अन्य जगहों पर जाते हैं। या शहरी क्षेत्र से माल ढ़ोकर गांव पहुँचाते हैं। अन्य समय में गाड़ी मालिक का गृहस्थी भी संभालते हैं। जिससे इनका परिवार चलता है। वर्षा का पानी ने इनके काया को पलट दिया। इन्हें गैस्टीक की बीमारी छुट गयी। और ये स्वस्थ रहने लगे। तब से ये जहाँ–जहाँ भी गाड़ी लेकर जाते हैं, लोगों को शुद्ध पानी के रूप में वर्षा जल बताते हैं।

2008 की जुलाई माह में वे रोज मकई लेकर खगड़िया जाते थे। टिफिन बॉक्स में खाना एवं 2 बोतल वर्षा का पानी अवश्य रखते थे। धीरे–धीरे बातचीत के दौरान इन्होंने वर्षा जल के बारे में ओर इसके फायदे के बारे में लोगों को बताया, तब से अन्य ड्राईवर इनका पानी पी जाया करते थे। एक दिन वर्षा नहीं होने के कारण खाना तो ले गये किन्तु वर्षा का पानी नहीं मिल सका। खाना के वक्त ही खगड़िया रेंक प्वाइंट पर जोरों की वर्षा होने लगी। तब सारे ड्राईवर मिलकर ट्रेक्टर पर ही पोलिथिन टांगकर 10 मिनट के बाद कई बोतल पानी जमा कर पीने का काम किए। तब ऐसा रोज होने लगा। सारे ड्राईवर लोग अपनी–अपनी गाड़ी पर वर्षा जल संग्रह कर वर्षा जल पीने का काम करने लगे। इतना ही नहीं अपने–अपने घरों पर पोलिथिन के सहारे आज भी वर्षा जल संग्रहण कर परिवार के साथ पीने का काम कर रहे हैं।

जिसमें मुख्य व्यक्ति हैं :

श्री रंजीत सिंह– महेशखूँट
श्री सुबोध यादव– कोठिया
श्री दिनेश ठाकुर– बछौता

इनके अनुसार फायदा :

- खाना तुरंत हजम होता है।
- गाड़ी पर बैठने के बाद पहले जैसा गैस बनना अब नहीं होता है।
- गाड़ी के रियल वाटर में भी वर्षा जल डालते हैं इंजन, काफी दिन तक ठंढ़ा होता है।
- परिवार में सभी लोग वर्षा जल का सेबन करते और स्वस्थ रहते हैं।